No. of Printed Pages : 7

BPY–001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP) (B. A. PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2024

(Elective Course : Philosophy)

BPY–001 : INDIAN PHILOSOPHY—I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the* ***five*** *questions. All questions carry equal marks. Answer to Question Nos.* ***1*** *and* ***2*** *should be in about* ***400*** *words each.*

1. Write an essay on the concept of the soul in Ćarvaka Metaphysics. 20

Or

Discuss in detail the nature of the Self and the means of realization of the Self in Katha Upanishad. 20

2. Give an exposition of *four* states of consciousness as expounded in Māndūkya Upanishad. 20

Or

How do the Upanishads explain the idea of Moksha ? 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Discuss in detail Syādvāda of Jainism. 10

   (b) Explain four noble truths of Buddhism. 10

   (c) Write a note on the emphasis on Grace and Love in Svetasvatara Upanishad. 10

   (d) Elucidate upon the way of knowing Brahman as given in Chhandogya Upanishad. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) What is the difference between the individual self and the cosmic self ? Explain. 5

(b) Discuss the metaphysical views of Yogācāra Vijñānavāda. 5

(c) Write a note on the subject-matter of Smriti. 5

(d) Differentiate between Monotheism and Polytheism. 5

(e) Explain the concept of Triratnas of Jainism. 5

(f) Write a note on the moral philosophy of Vidura. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Tat tvam asi 4

(b) Concept of Ṛta 4

(c) Nishkama Karma 4

(d) Identity of Jiva and Brahman 4

(e) Law of Karma of Buddhism 4

(f) Monism 4

(g) Brahmanas text 4

(h) Nature of Vedic Gods 4

BPY–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी.) (बी. ए. दर्शनशस्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

(ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र)

बी.पी.वाई.–001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक* ***1*** *एवं* ***2*** *के उत्तर लगभग* ***400-400*** *शब्दों में दीजिए।*

1. चार्वाक तत्त्वमीमांसा में आत्मा की अवधारणा पर निबंध लिखिए। 20

अथवा

कठोपनिषद् में आत्म की प्रकृति और आत्म-साक्षात्कार के साधनों की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

2. माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित चेतना की **चार** अवस्थाओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

उपनिषद् मोक्ष के विचार की व्याख्या कैसे करते हैं ? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) जैनमत के स्याद्वाद की विस्तृत चर्चा कीजिए। 10

(ख) बौद्धमत के चार आर्य सत्यों की व्याख्या कीजिए। 10

(ग) श्वेताश्वतर उपनिषद् में उद्घाटित कृपा और प्रेम पर टिप्पणी लिखिए। 10

(घ) छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णित ब्रह्म को जानने के तरीके पर प्रकाश डालिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) वैयक्तिक आत्म और ब्रह्माण्डीय आत्म के मध्य क्या अन्तर है ? व्याख्या कीजिए। 5

(ख) योगाचार विज्ञानवाद के तत्वमीमांसीय विचारों की चर्चा कीजिए। 5

(ग) स्मृति की विषय-वस्तु पर टिप्पणी लिखिए। 5

(घ) एकदेववाद और बहुदेववाद के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(ङ) जैनमत में त्रिरत्न की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 5

(च) विदुर के नैतिक दर्शन पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100-100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) तत् त्वम् असि 4

(ख) ऋत् की अवधारणा 4

(ग) निष्काम कर्म 4

(घ) जीव और ब्रह्म का तादात्म्य 4

(ङ) बौद्धमत में कर्म का नियम 4

(च) एकेश्वरवाद 4

(छ) ब्राह्मण ग्रंथ 4

(ज) वैदिक देवताओं की प्रकृति 4

× × × × × × ×